10 साल में बनाएं 5 लाख का फंड

100 रुपये से शुरू करें सुरक्षित निवेश

जमा राशि पर मिलेगा लोन का विकल्प

नई दिल्ली, 06 जुलाई. सुरक्षित निवेश और गारंटीड रिटर्न की तलाश कर रहे लोगों के लिए पोस्ट ऑफिस की आवर्ती जमा (आरडी) योजना एक भरोसेमंद विकल्प बनी हुई है. इस योजना में महज 100 रुपये प्रतिमाह से निवेश शुरू किया जा सकता है और नियमित बचत के जरिए बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है.

यदि कोई निवेशक रोज 100 रुपये यानी हर महीने 3,000 रुपये जमा करता है और इस निवेश को 10 वर्षों तक जारी रखता है, तो मौजूदा 6.7 फीसदी वार्षिक ब्याज दर के आधार पर उसे पांच लाख रुपये से अधिक की राशि मिल सकती है. यही वजह है कि जोखिम से बचने वाले निवेशकों के बीच यह योजना लगातार लोकप्रिय बनी हुई है.

पोस्ट ऑफिस की राष्ट्रीय बचत आवर्ती जमा योजना (आरडी) की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुरक्षा और निश्चित रिटर्न है. इस योजना में शेयर बाजार की तरह उतार-चढ़ाव का कोई जोखिम नहीं होता. दस वर्षों में निवेशक कुल 3 लाख 60 हजार रुपये जमा करता है. मौजूदा ब्याज दर के अनुसार इस पर करीब 1 लाख 52 हजार 565 रुपये ब्याज मिलता है. इस तरह मैच्योरिटी पर कुल 5 लाख 12 हजार 565 रुपये का फंड तैयार हो जाता है.

यह योजना आम लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई है. कोई भी भारतीय नागरिक अपने नाम से या संयुक्त खाते के रूप में इसमें निवेश कर सकता है. बच्चों के नाम पर भी आरडी खाता खोला जा सकता है. यदि बच्चे की उम्र 10 वर्ष या उससे अधिक है, तो उसके नाम पर सीधे खाता खोला जा सकता है.

> यदि निवेशक तीन वर्ष पूरे होने के बाद समय से पहले खाता बंद करता है, तो उसे आरडी की ब्याज दर के बजाय केवल पोस्ट ऑफिस बचत खाते के अनुसार ब्याज मिलेगा. ऐसे में यह योजना नियमित बचत के साथ सुरक्षित और दीर्घकालिक पूंजी निर्माण का अच्छा विकल्प मानी जाती है.

चांदी 1,200 रुपये लुढ़की सोना भी हुआ सस्ता

नई दिल्ली, 6 जुलाई सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोना और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई. वायदा बाजार में चांदी की कीमतों में सबसे ज्यादा कमजोरी देखने को मिली, जहां यह करीब 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट गई. वहीं, 24 कैरेट सोना भी दबाव में रहा और 10 ग्राम का भाव करीब 800 रुपये तक फिसल गया. अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती और पिछले कुछ दिनों की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते दोनों कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा.

घरेलू वायदा बाजार में सोना चार कारोबारी सत्रों की लगातार बढ़त के बाद गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा. दूसरी ओर चांदी में शुरुआती कारोबार के दौरान तेज बिकवाली देखने को मिली.

जून में वाहन बिक्री 25 .57 लाख इकाई हुई

दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में तेज़ उछाल

बाजार में मजबूत मांग का संकेत

नयी दिल्ली, 06 जुलाई देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने जून महीने में मजबूत प्रदर्शन करते हुए बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाए हैं. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 में वाहनों की खुदरा बिक्री 21.83 प्रतिशत बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई.

पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 20,98,996 इकाई था. यह वृद्धि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में लगातार बढ़ती मांग और उपभोक्ता विश्वास को दर्शाती है. बताया गया कि सभी प्रमुख वाहन सेगमेंट में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है. यात्री वाहनों की बिक्री 28.63 प्रतिशत बढ़कर 4,10,853 इकाई पहुंच गई, जो नए मॉडल्स की लॉन्चिंग, आसान फाइनेंस और बढ़ती आय के कारण संभव हुआ. दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 प्रतिशत बढ़कर 18,28,458 इकाई रही, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मांग मजबूत होने का संकेत मिलता है.

> फाडा अध्यक्ष ने कहा कि जून 2026 अब तक का सबसे बेहतर जून साबित हुआ है. उनके अनुसार, यह प्रदर्शन बाजार में मजबूत मांग और सकारात्मक उपभोक्ता भावना का परिणाम है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जुलाई और आगामी तिमाही को लेकर डीलरों का रुझान सकारात्मक बना हुआ है. लगभग आधे से अधिक डीलरों को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद है, जबकि बाकी स्थिर बाजार की संभावना देख रहे हैं. मानसून की स्थिति, ग्रामीण आय में सुधार और ईंधन कीमतों में स्थिरता को आगे की मांग के प्रमुख कारक माना जा रहा है.

रेलवे का स्वच्छता पर सख्त अभियान प्रारंभ

हावड़ा, 6 जुलाई स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्व रेलवे ने आज हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक भव्य समारोह में अपने व्यापक स्वच्छता जागरूकता अभियान के दूसरे चरण 'ईस्टर्न रेलवे इज़ वॉचिंग यू' का औपचारिक शुभारंभ किया.

यह अभियान इस वर्ष अप्रैल में प्रारंभ किया गया था और आज का यह कार्यक्रम पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में अभियान के नए चरण की शुरुआत का प्रतीक है. इस चरण में रेलवे परिसरों में गंदगी फैलाने और थूकने के विरुद्ध जीरो शून्य सहिष्णुता नीति अपनाई गई है. इस अभियान का मूल संदेश है कि रेलवे परिसर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए पूर्व रेलवे हर समय सतर्क है और परिसर की निरंतर निगरानी की जा रही है. क्लोज़्ड सर्किट टेलीविज़न (सीसीटीवी) कैमरों के व्यापक नेटवर्क तथा रेलवे कर्मचारियों की सक्रिय निगरानी के माध्यम से यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखीड्ड जाएगी. यदि कोई व्यक्ति गंदगी फैलाते या थूकते हुए पाया जाता है, तो उस पर तत्काल मौके पर ही जुर्माना लगाया जाएगा. जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे ने एक अभिनव पहल भी शुरू की है. यदि कोई रेल यात्री किसी व्यक्ति को गंदगी फैलाते या थूकते हुए देखता है, तो वह उसकी तस्वीर लेकर स्थान का विवरण सहित व्हाट्सऐप नंबर 9002022780 पर भेज सकता है. इसके आधार पर पूर्व रेलवे संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उस पर मौके पर ही जुर्माना लगाएगा.

> कार्यक्रम के समापन पर मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि यह अभियान केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने कहा कि पूर्व रेलवे हमेशा जन-जागरूकता के क्षेत्र में अग्रणी रहा है.

कोमाकी ने लॉन्च किए एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ इलेक्ट्रिक स्कूटर

भोपाल, 6 जुलाई. देश के प्रमुख इलेक्ट्रिक व्हीकल ब्रांड्स में से एक, कोमाकी ने अपने नए एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ इलेक्ट्रिक स्कूटर्स लॉन्च किए हैं। कंपनी ने इन्हें क्रमश: 73,999 रुपए और 79,999 रुपए की कीमत पर पेश किया है। खास बात यह है कि इस कीमत में दोनों स्कूटर्स ऑल-मेटल बॉडी के साथ आते हैं, जबकि इस प्राइस रेंज में ज्यादातर इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स फाइबर बॉडी के साथ उपलब्ध हैं।

एमजी प्रो वी और एमजी प्रो+ उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, जो अपने बजट में मजबूत और भरोसेमंद इलेक्ट्रिक स्कूटर चाहते हैं। मजबूत मेटल बॉडी के साथ ये स्कूटर्स रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए बेहतर परफॉर्मेंस भी देते हैं। जहाँ इस सेगमेंट के ज्यादातर इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में फाइबर बॉडी पैनल मिलते हैं, वहीं कोमाकी ने मेटल बॉडी का विकल्प पेश किया है। इससे स्कूटर ज्यादा मजबूत, लंबे समय तक टिकाऊ और चलाने में अधिक भरोसेमंद महसूस होता है। एमजी प्रो वी एक बार फुल चार्ज होने पर 90 से 100 किलोमीटर तक की रेंज देता है, जबकि एमजी प्रो+ 150

73,999 रुपए की शुरुआती कीमत में मिलेगी मेटल बॉडी

किलोमीटर से ज्यादा की रेंज के साथ आता है। यही वजह है कि दोनों स्कूटर्स रोजाना के सफर के साथ-साथ शहर में लंबी दूरी तय करने के लिए भी बेहतर विकल्प हैं। इनमें बीएलडीसी हब मोटर और एडवांस्ड लीपो4 बैटरी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो भरोसेमंद परफॉर्मेंस देने के साथ कम रखरखाव की जरूरत सुनिश्चित करती है। मजबूत मेटल बॉडी के अलावा दोनों स्कूटर्स में कई ऐसे फीचर्स दिए गए हैं, जो सफर को ज्यादा सुरक्षित और सुविधाजनक बनाते हैं।

अफ्रीका-ब्राजील से 70 लाख बैरल तेल का सौदा

ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने के लिए सरकारी तेल कंपनियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी खरीद

नयी दिल्ली, 06 जुलाई देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और लगातार बढ़ती ईंधन मांग को स्थिर बनाए रखने के लिए भारत की दो प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद की है. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मिलकर लगभग 70 लाख बैरल कच्चे तेल का सौदा किया है.

यह खरीद टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से की गई है और इसकी डिलीवरी अगस्त से सितंबर 2026 के बीच भारत पहुंचने की संभावना है. सूत्रों के अनुसार, इस पूरी खरीद में सबसे बड़ा हिस्सा इंडियन ऑयल का है, जिसने करीब 50 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा है. यह तेल मुख्य रूप से अफ्रीकी देशों अंगोला और

नाइजीरिया से लिया गया है.

इस सौदे में अंतरराष्ट्रीय ट्रेडिंग कंपनियों जैसे कैथे पेट्रोलियम, ट्रैफिगुरा और शेवरॉन की भी भूमिका रही है. खरीदे गए कच्चे तेल में अंगोला का किसांजे क्रूड, नाइजीरिया का अगबामी और उसान क्रूड सहित कई प्रमुख ग्रेड शामिल हैं. यह कदम भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है. अगस्त और सितंबर में जब यह कच्चा तेल भारत पहुंचेगा, तो इसे रिफाइनरियों में प्रोसेस करके देश में ईंधन की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे बाजार में स्थिरता बनी रहेगी.

> वहीं दूसरी ओर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल ब्राजील से खरीदा है, जिसे टुपी क्रूड कहा जाता है. यह खरीद लैटिन अमेरिका से भारत की ऊर्जा आपूर्ति को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है. इस समय वैश्विक तेल बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, ऐसे में यह सौदा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार, इस खरीद का मुख्य उद्देश्य देश में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को बिना किसी रुकावट के बनाए रखना और रिफाइनरियों की जरूरतों को पूरा करना है.

नोएडा प्रोजेक्ट से कंपनी को बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, 06 जुलाई माइक्रोकैप कंपनी फाल्कन कॉन्सेप्ट्स लिमिटेड के शेयर सोमवार को चर्चा में आ गए, जब कंपनी ने बताया कि उसे नोएडा के सेक्टर-142 स्थित 'स्प्लेंडर ओनिक्स' कमर्शियल प्रोजेक्ट के लिए 101.92 करोड़ रुपये का बड़ा वर्क ऑर्डर मिला है. इस सकारात्मक खबर के बाद निवेशकों में खरीदारी का उत्साह बढ़ा और कंपनी के शेयर में 20 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया. कंपनी का कहना है कि यह ऑर्डर स्प्लेंडर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त हुआ है. इसके तहत फाल्कन कॉन्सेप्ट्स परियोजना में एल्यूमीनियम ग्लेजिंग, फैसाड और ग्लास से जुड़े कार्यों को अंजाम देगी. ऑर्डर का आकार कंपनी के मौजूदा आकार की तुलना में काफी बड़ा माना जा रहा है, जिससे बाजार में इसके भविष्य के कारोबार और आय की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक माहौल बना है.

भारतीय शेयर बाजारों में तेजी जारी

मुंबई, 06 जुलाई घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार चौथे दिन तेजी देखी गयी, हालांकि आईटी सेक्टर की कंपनियों और सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा.

बीएसई का सेंसेक्स 521.16 अंक (0.67 प्रतिशत) चढ़कर 78,285.07 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 159.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत ऊपर 24,430.35 अंक पर बंद हुआ.

वृहत बाजार में भी तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.45 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.75 प्रतिशत की बढ़त में रहा.

ऑटो, धातु, रियल्टी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, रसायन, निजी बैंक और फार्मा सेक्टरों में तेजी रही. आईटी, सार्वजनिक बैंक और मीडिया सेक्टरों के सूचकांक गिरावट में रहे. सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर साढ़े तीन फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा का दो फीसदी मजबूत हुआ.

> कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर चार प्रतिशत के करीब लुढ़क गया. टीसीएस में डेढ़ी फीसदी से ज्यादा गिरावट रही. बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और इंडिगो के शेयर भी नीचे बंद हुए.

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)
(CIN-L65110TN2014PLC097792)
रजिस्टर्ड ऑफिस : के आरएम टॉवर्स, 8वां तल, हेरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई-600031
फोन : +914445644000, फैक्स: +914445644022

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना

निम्नलिखित उधारकताओं और सह- उधारकताओं ने **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड** के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) से नीचे उल्लिखित सुरक्षित ऋण प्राप्त किए हैं. नीचे उल्लिखित उधारकताओं और सह-उधारकताओं के ऋण उनकी संबंधित संपत्तियों के बंधक द्वारा सुरक्षित किए गए हैं. चूंकि वे संबंधित ऋण समझौतों की शर्तों का पालन करने में विफल रहे हैं और अनियमित हो गए हैं, इसलिए उनके ऋण को आरबीआई दिशा-निदेशों के अनुसार एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया। है. **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड** के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को उनके द्वारा देय राशि का उल्लेख संबंधित नोटिस के अनुसार किया गया है, जो विशेष रूप से निम्नलिखित तालिका में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे ब्याज भी लागू होगा और उसी पर संबंधित तिथियों से अनुबंध दर के अनुसार शुल्क लिया जाएगा.

स. क्रं.	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	धारा 13 (2) नोटिस तिथि	धारा 13 (2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि
1	45510233	संपत्ति के बदले ऋण	13-06-2026	1,20,052.48/-

उधारकताओं और सह-उधारकताओं के नाम: 1. मीरा गोंड 2. सुंदर सिंह

संपत्ति का पता: 30 X 30 = 900 वर्ग फुट या 83.64 वर्ग मीटर (ग्राउंड फ्लोर पर बना हुआ एरिया 83.64 वर्ग मीटर) के प्लॉट की पूरी जमीन; यह जमीन आबादी खसरा नंबर 244 का हिस्सा है और गाँव अमौनी, पटवारी हल्का नंबर 18, तहसीलः हुजूर, ज़िलाः भोपाल, मध्य प्रदेश-462010 में स्थित है। (इस प्रॉपर्टी की सीमाएँ नायब तहसीलदार, तहसील हुजूर, ज़िला भोपाल द्वारा सुंदर सिंह (पिता श्री हरि सिंह) के नाम जारी पट्टा सर्टिफि केट के अनुसार हैं) सीमाएँ इस प्रकार हैं: पूर्वः गली, पश्चिमः कमल सिंह का मकान, उत्तरः गेट/गली, दक्षिणः अशोक सिंह का मकान।

आपको उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए विवरण के अनुसार **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)** को संबंधित तिथियों से अनुबंधित ब्याज दर तथा अन्य लागत, प्रभार आदि के साथ इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा नीचे हस्ताक्षरकर्ता को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित बंधक संपत्तियों के विरुद्ध एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (4) तथा धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही आरंभ करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड** के साथ समामेलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) इसके अलावा, आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत बिक्री / पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है.

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक: 07.07.2026
स्थान: मध्यप्रदेश
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)

समाचार विशेष

चन्नी गुट की खुली बगावत! वडिंग के खिलाफ मोर्चा

पंजाब में चुनाव से पहले कांग्रेस की बढ़ीं मुश्किलें

चंडीगढ़. आगामी पंजाब विधानसभा से पहले प्रदेश कांग्रेस के संगठन में फेरबदल को लेकर पार्टी के अंदर खींचतान शुरू हो गई है. चन्नी गुट और राजा वडिंग गुट शक्ति-परीक्षण कर रहे हैं. नए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को लेकर प्रदेश में असंतोष अब खुलकर सामने आ चुका है.

इस बीच, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के मोरिंडा आवास पर उनके समर्थकों का लगातार दूसरे दिन जमावड़ा लगा. इस दौरान पार्टी नेतृत्व, खासकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजा वडिंग की कार्यशैली पर जमकर सवाल उठाए गए. मीडिया सूत्रों के अनुसार, चन्नी

के आवास पर हुई बैठक में मौजूद पूर्व विधायकों और नेताओं ने खुले तौर पर राजा वडिंग के नेतृत्व चुनौती दी. नेताओं का कहना है कि 2022 विधानसभा चुनाव में हार और उसके बाद प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए कार्यकर्ता राज्य में बदलाव की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन पार्टी आलाकमान ने नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं किया. इससे कार्यकर्ताओं में गलत संदेश गया.

आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब प्रदेश कांग्रेस में लड़ाई केवल पदों तक ही सीमित नहीं रह गई है. असल लड़ाई 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी के चेहरे की है. पूर्व सीएम चन्नी को प्रदेश कांग्रेस में कैंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाए जाने के बाद से लगातार चन्नी के आवास पर उनके समर्थकों का जमावड़ा लग रहा है.

इसे कांग्रेस आलाकमान के लिए एक बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है. मीटिंग में शामिल हुए कांग्रेस नेता तरसेम सिंह डीसी ने नए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग पर निशाना साधा है.

विशेष | महाराष्ट्र भाजपा में भितरघात खुल कर दिखने लगा

फड़नवीस क्या उद्धव के संकटमोचन बनेंगे

मुंबई. वैसे तो पूरे देश की ही राजनीति दिलचस्प हो गई है. पहली बार ऐसा हो रहा है कि भाजपा के अंदर का भितरघात खुल कर दिखने लगा है. नेताओं की महत्वाकांक्षाएं आपस में टकराने लगी हैं, जिससे अंदर की खबरें बाहर जा रही हैं और किसी न किसी की शह से अखबारों में खबरें छप भी रही हैं.

सोशल मीडिया में भी कई ऐसे मुद्दों पर बहस हो रही है और मुद्दे वायरल हो रहे हैं, जिनको पहले दबा दिया जाता था या काउंटर नैरेटिव के जरिए कमजोर किया जाता था. लेकिन पूरे देश में जिस राज्य की राजनीति सबसे दिलचस्प दिख रही है वह महाराष्ट्र है. साफ दिख रहा है कि दिल्ली में कोई है, जो एकनाथ शिंदे को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है और महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस उस प्रयास को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं. दिल्ली के चाणक्य और

महाराष्ट्र के चाणक्य की बात भी हो रही है. कहा जा रहा है कि शरद पवार के बाद देवेंद्र फड़नवीस महाराष्ट्र के नए चाणक्य हैं. नए चाणक्य की महत्वाकांक्षा चंद्रगुप्त बनने की है. कई और लोगों की ऐसी महत्वाकांक्षा है. लेकिन वह अलग मामला है.

अभी महाराष्ट्र में ऐसा दिख रहा है कि देवेंद्र फड़नवीस अपनी स्वतंत्र सत्ता बचाए रखना चाहते हैं लेकिन एकनाथ शिंदे उनके लिए चुनौती पैदा कर रहे हैं. शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पार्टी दोबारा तोड़ी है. चार साल के भीतर दूसरी बार टूट हुई है. इस बार छह लोकसभा सांसद शिंदे के साथ चले गए हैं. इसके साथ ही शिंदे की शिव सेना ने एनडीए में जनता दल यू को पीछे छोड़ दिया है. वह अब 13 सांसदों वाली पार्टी बन गई है. इसी तरह कहा जा रहा है कि शिंदे की नजर अब उद्धव ठाकरे के 20 में से 14 विधायकों पर है. अगर ऐसा होता है कि महाराष्ट्र विधानसभा में शिंदे के विधायकों की संख्या 57 से बढ़ कर 71 हो जाएगी. हालांकि 288 के सदन में भाजपा के अपने 132 विधायक हैं. ऊपर से देवेंद्र फड़नवीस की सरकार को सुनेत्रा पवार की पार्टी का समर्थन भी हासिल है.

> **ठाकरे को बचाने की कोशिश**
>
> फिर भी कहा जा रहा है कि फड़नवीस नहीं चाहते हैं कि एकनाथ शिंदे स्वतंत्र रूप से इतने मजबूत हो जाएं कि आगे चुनौती खड़ी कर सकें. इसलिए फड़नवीस की कोशिश उद्धव ठाकरे को बचाने की है. पिछले दिनों उद्धव प्रदेश के तीन दिन के दौरे पर निकले तो नागपुर जाने के क्रम में हवाईजहाज में उनको देवेंद्र फड़नवीस मिल गए.

इस बार नहीं लड़े पीके तो मुश्किल है

पटना. जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. यह सीट पारंपरिक रूप से भाजपा की सीट रही है और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन उस सीट से जीते थे. नितिन नबीन राज्यसभा भेजे गए तो उनके इस्तीफे से यह सीट खाली हुई है. इस लिहाज से यह सीट भाजपा के लिए बहुत प्रतिष्ठा वाली है. प्रशांत किशोर ने पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव के समय राघोपुर सीट से तेजस्वी यादव के खिलाफ लड़ने का ऐलान किया था. लेकिन ऐन मौके पर वे पीछे हट गए थे. इस भी उन्होंने अभी तक बांकीपुर से लड़ने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन उनकी पार्टी की ओर से हाइप पूरी बना दी गई है. प्रशांत किशोर के बांकीपुर से लड़ने की चर्चा दूसरी पार्टियों ने नहीं शुरू कराई है.

SBFC एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड

(पूर्ववर्ती एसबीएफसी फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड)

पंजीकृत कार्यालयः- यूनिट नंबर 103, पहली मंजिल, सी एंड बी स्क्वायर, संगम कॉम्प्लेक्स, गांव चकाला, अंधेरी-कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400059।

मांग नोटिस

जबकि नीचे उल्लिखित उधारकताओं/सह-उधारकताओं ने एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड से वित्तीय सहायता प्राप्त की थी। हम यह बताते हैं कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बावजूद, उधारकताओं/गिरवीदारों ने नियत तिथियों पर ब्याज और मूलधन के भुगतान में कई चूक की हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी के आदेशानुसार, एसबीएफसी की पुस्तकों में इस खाते को नीचे उल्लिखित संबंधित तिथियों पर गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एन परफॉर्मिंग एसेट) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("SARFAESI अधिनियम") के अंतर्गत, और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित उधारकताओं/गिरवीदारों को संबंधित तिथियों पर मांग नोटिस जारी किए गए हैं, जिनमें निम्नलिखित उधारकताओं/गिरवीदारों को नोटिस में उल्लिखित राशि, संविदात्मक दर पर ब्याज सहित, नोटिस में उल्लिखित राशि और आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि का भुगतान नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर करने के लिए कहा गया है। उनके अंतिम ज्ञात पते पर भेजे गए नोटिस अप्राप्य वापस आ गए हैं, अतः उन्हें इस संबंध में सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है।

स क्र.	ऋणकर्ता का नाम / पता	मांग की तिथि सूचना एवं एनपीए	ऋण संख्या और बकाया राशि	सुरक्षित परिसंपत्ति(यों) का उचित पता
1	1. रोहित छलोत्रे 2. पंकज छलोत्रे 3. कोकिला छलोत्रे पता : संपत्ति सर्वे नंबर पर स्थित 62/89, खा वार्ड नं 32, शहीद दीपसिंह चौहान वार्ड विलेज, हरदाखुर्द तहसील एवं जिला. हरदा, एम.पी. - 461331.	मांग नोटिस तारीखः 15 जून - 2026 NPA की तारीखः 06 मई 2026	लोन अकाउंट नंबर SBFCLAP0000005572 (PR01442556) और SBFCLAP0000034076 (PR01474141)। लोन की राशि रू. 13,00,000/- (तेरह लाख मात्र) है, जिसमें से रू. 8,44,000/- फैसिलिटी एग्रीमेंट नंबर SBFCLAP0000005572 (PR01442556) के लिए और रू. 4,56,000/- फैसिलिटी एग्रीमेंट नंबर SBFCLAP0000034076 (PR01474141) के लिए हैं। 03 जून 2026 तक बकाया लोन की राशि रू. 13,49,475/- (तेरह लाख उनचास हजार चार सौ पिचहत्तर मात्र) है, साथ ही 04 जून 2026 से अप्लाई न किया गया ब्याज भी शामिल है।	संपत्ति का पूरा हिस्सा सर्वे नंबर 62/89, खा, मौजा हरदा खुर्द, वार्ड नंबर 32, शहीद दीपसिंह चौहान वार्ड गाँव हरदा खुर्द, तहसील और ज़िला हरदा, मध्य प्रदेश 461331 में स्थित। कुल क्षेत्रफल 800 वर्ग फीट या 74.34 वर्ग मीटर। बिल्ट-अप एरिया 600 वर्ग फीट या 55.76 वर्ग मीटर। सीमाएँ: पूर्वः दूसरों की जमीन, पश्चिमः पैरासिटी कॉलोनी का प्लॉट, उत्तरः पैरासिटी का प्लॉट, दक्षिणः निस्तारी रास्ता।

उपरोक्त परिस्थितियों में, उपरोक्त उधारकताओं और सह-उधारकताओं को यह सूचना दी जाती है कि वे उपर्युक्त बकाया राशि का भुगतान भविष्य के ब्याज और लागू शुल्कों सहित इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर करें, अन्यथा इस सूचना की तिथि से 60 दिनों की समाप्ति के बाद उधारकताओं और गिरवीदारों की गिरवी संपत्तियों पर कब्जा करने सहित, सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) और उसके अंतर्गत लागू नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। कृपया ध्यान दें कि सरफेसी अधिनियम की धारा 13(13) के अंतर्गत, कोई भी उधारकर्ता, गिरवी ऋणदाता की पूर्व लिखित सहमति के बिना, नोटिस में उल्लिखित अपनी किसी भी गिरवी संपत्ति को बिक्री, पट्टे या किसी अन्य माध्यम से हस्तांतरित नहीं करेगा।

दिनांक: 07.07.2026, स्थान: हरदा (मध्य प्रदेश) **एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी, एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड**